हरिभूमि रतन भूमि

रायपुर, मंगलवार 7 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 27.0 डिग्री

13 संस्कृत शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक...

14 भारी बारिश से पीएमश्री स्कूल में भरा नाली का पानी...

प्रवेश प्रारंभ

B.P.Ed., B.P.E.S., BCA, Bsc. (CS/IT), B.Com., PGDCA, DCA PG Diploma in Yoga Edu.

AICTE एवं NCTE से मान्यता प्राप्त (पं. र.वि.वि. रायपुर से सम्बद्ध)

नेताजी सुभाष कॉलेज बेलभाठा, अभनपुर

मो.न. - 8103982557

2011 से संचालित

शंकराचार्य स्वामी स्वरुपानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जुनवानी, भिलाई

B.c. NURSING & M.Sc. NURSING

प्रवेश के लिए संपर्क करें

मो.: 83193 47482, 81030 45003

Website : ssscn.ac.in

बारिश : नालियां चोक होने से कई वार्डों में घुसा बाढ़ का पानी, रातभर जागकर पानी निकालते रहे लोग

बाढ़ के हालात और बारिश की कहर में डूबे आशियाने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद/कोपरा

अषाढ़ माह की शुरुवात की झमाझम बारिश ने कोपरा नगर और आसपास के ग्रामीण अंचलों में ऐसी तबाही मचाई है कि पूरा जनजीवन पटरी से उतर गया है। नगर से लेकर गांव तक पानी ही पानी नजर आ रहा है। कहीं घरों में बारिश का पानी घुस गया है, कहीं लोग परिवार और सामान बचाने में जुटे हैं, तो कहीं सड़कों के टूट जाने से गांवों का संपर्क पूरी तरह कट गया है। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि कई परिवारों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। इसी बीच कोपरा नगर में हुई दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है, जहां बारिश के बीच दो मासूमों की मौत से मातम पसर गया है। लगातार मूसलाधार बारिश ने नगर पंचायत की व्यवस्थाओं की परतें उधेड़कर रख दी हैं। नगर के कई वार्डों, मोहल्लों और निचले इलाकों में पानी इस कदर भर गया है कि लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया है। गलियां तालाब बनी हुई हैं, सड़कें जलमग्न हैं और नालियों की सफाई व जलनिकासी के दावों की हकीकत खुलकर सामने आ गई है। ग्रामीण इलाके मे कई घरों में पानी घुस जाने से लोगों का घरेलू सामान बर्बाद हो गया है।

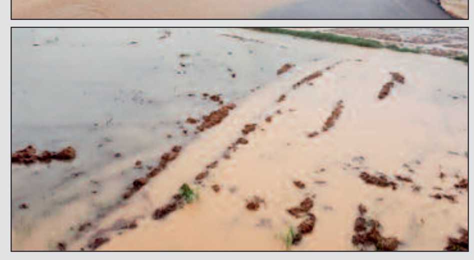

तीन दिन से बरस रहे बादल खेत-खलिहान हुए लबालब

रसेला। शनिवार रात से शुरू हुई बारिश का सिलसिला सोमवार तक अनवरत लगातार जारी है। इस बारिश से दोहरे प्रभाव वाली स्थिति बनी हुई है। एक तरफ महीनों से सूखे पड़े खेतों को पानी मिलने से किसान बेहद खुश हैं। दूसरी तरफ क्षेत्र के छोटे नदी नाले पुल के ऊपर पानी बहने से दैनिक दिनचर्या बिगड़ गई है। आम जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कारोबार पर भी इसका प्रभाव पड़ा है, इससे मध्यमवर्गीय परिवार की परेशानी बढ़ गई है। जून के महीने में करीब 60 प्रतिशत तक बारिश की कमी होने के कारण क्षेत्र के किसान चिंतित थे। मोजूदा हो रही बारिश ने स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है। सुखे पड़े खेतों, तालाबों और नदी नालों में पर्याप्त पानी भर गया है। खरीफ फसलों, विशेषकर धान की नर्सरी तैयार करने और खेतों की जुताई के लिए यह पानी किसी से कम नहीं है। किसान खेती कार्य में जोरों से जुट गए हैं। खेतों को तैयार करने और बिछड़ा डालने का कार्य और जिन खेतों में अधिक पानी भर गया है, उसे निकाला जा रहा है। अंकुरित पौधे गल न जाएं। इधर तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश से दैनिक

गतिविधियों पर बुरा असर पडा है। किसान मकरम ठाकुर,झवर अग्रवाल ने बताया कि बारिश अधिक होने से एक दो दिन बुआई नहीं हो सकेगा। इधर बुआई कर चुके किसान खुश हैं कि बारिश के बाद उनके बीज अंकुरित हो जाएंगे। इधर रसेला के पास ढोडगा नाला, फूलबाहरा के पास सुखा नदी, रावनाभाटा के नाला क्षेत्रवासियों के लिए हर साल बड़ी मुसीबत बन जाता है। पुल नहीं होने के कारण हर बारिश में यह नदी नाला गांवों को मुख्यधारा से काट देता है। इस समय हो रही बारिश ने हालत और बिगाड़ दी है। खेत-खलिहान, तालाब, कुएं पानी से लबालब है। नदी नाले रौद्र रुप में है, वहीं रसेला और रावनाभाटा के नाला के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे सैकड़ों ग्रामीण और छात्र छात्राएं अपनी जान जोखिम में डालकर पार कर रहे हैं।

मार्ग टूटने से कई गांवों का संपर्क कटा

लगातार बारिश ने कोपरा नगर और आसपास के गांवों की असल तस्वीर सामने ला दी है। एक ओर प्रकृति का कहर है, तो दूसरी ओर बदहाल बुनियादी ढांचा, सुस्त राहत तंत्र और लापरवाह तैयारी। नतीजा यह है कि आम जनता त्रासदी झेल रही है, घरों में कैद है, सड़कें टूट चुकी हैं, पुल मे पानी आ चुकी है, गांवों का संपर्क कट चुका है और मासूम जानें तक चली गईं। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस तबाही को केवल मौसमी संकट मानकर छोड़ देता है या फिर इसे चेतावनी समझकर ठोस कार्रवाई करता है। और गाँवो की नालियों, ग्रामीण इलाकों की पुलों और रपड़ो ओ सुधारती है यां और दुर्घटना का इंतजार करती है।

कच्चे मकानों में रहने वाले परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, जिनके सामने सिर छुपाने तक का संकट खड़ा हो गया है। दो दिनों की बारिश से बदहाल हालात के बीच लोग पूरी रात जागकर घरों से पानी उलीचते रहे, लेकिन राहत की कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आई।

बारिश का सबसे बड़ा असर ग्रामीण संपर्क मार्गों पर पड़ा है। रवेली-लोहरसी, धुरसा-सहसपुर और भैंसातरा-कौदकेरा मार्ग कई जगहों पर टूट गए हैं या जलभराव की चपेट ▶▶|शेष पेज 12 पर

खबर संक्षेप

सरपंच संघ की विशेष बैठक आज

राजिम। सरपंच संघ के अध्यक्ष हरीश साहू ने बताया कि जनपद की एक विशेष बैठक आज 7 जुलाई मंगलवार को दोपहर 12 बजे, रेस्ट हाउस, फिंगेश्वर में आयोजित की गई है। इस बैठक में विधायक रोहित साहू मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष इन्द्राणी-नेहरू साहू करेंगी। ब्लॉक के सभी 71 पंचायत के सरपंच पहुंचेंगे। संघ के अध्यक्ष हरीश साहू ने बताया कि बैठक में पंचायतों के ▶▶|शेष पेज 12 पर

चरण दास महंत आज जिले के दौरे पर

गरियाबंद। प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष 7 जुलाई को गरियाबंद प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उनका दोपहर 2 बजे गरियाबंद आगमन होगा, जहां तिरंगा चौक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम के बाद नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस भवन पहुंचकर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे तथा संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करेंगे। शहर कांग्रेस कमेटी ने इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रेम सोनवानी ने मंडल अध्यक्षों, सेक्टर अध्यक्षों, पार्षदों, पूर्व पार्षदों, पूर्व एल्डरमैन, प्रदेश, शहर एवं ब्लॉक पदाधिकारियों ▶▶|शेष पेज 12 पर

श्यामनगर पेट्रोल पंप के पास एनएच 130 पर नाली और सड़क धंसी, जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुरसाबांधा

ग्राम श्यामनगर स्थित पेट्रोल पंप के समीप नेशनल हाईवे 130 पर सड़क एवं नाली का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो जाने से आमजन और वाहन चालकों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क किनारे तेज कटाव हो रहा है, जिससे मार्ग का एक हिस्सा कमजोर पड़ गया है। ऐसे में भारी वाहनों के आवागमन के दौरान कभी भी बड़ा सड़क हादसा होने की आशंका बनी हुई है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोपहिया, चारपहिया तथा भारी वाहन गुजरते हैं। सड़क और नाली के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद अब तक आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षा संबंधी कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। यदि समय रहते क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के दौरान स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। श्यामनगर के युवा नेता डायमंड साहू ने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कमी तथा समय पर रखरखाव नहीं किए जाने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने तथा क्षतिग्रस्त सड़क और नाली की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि जनहित एवं सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक लगाने तथा मरम्मत कार्य प्रारंभ कराया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय दुर्घटना से बचा जा सके। क्षेत्रवासियों ने भी प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के एसडीओ मनीष साहू को दो बार कॉल किया गया परंतु उन्होने मोबाइल रिसीव्ह नही किया।

पुलिस महकमे में फेरबदल, थाना प्रभारी जांगड़े रक्षित केंद्र भेजे गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

जिले में पुलिस विभाग के हालिया प्रशासनिक फेरबदल को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी आदेश में थाना प्रभारी पाण्डुका निरीक्षक कृष्णा प्रसाद जांगड़े को हटाकर रक्षित केंद्र गरियाबंद संबद्ध प्रभारी, जिला विशेष शाखा, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ किया गया है। उनकी जगह उप निरीक्षक चिन्ताराम देशमुख को थाना प्रभारी पाण्डुका की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस तबादले को नगर पंचायत कोपरा में बीते दिनों कांग्रेस द्वारा किए गए घेराव और प्रदर्शन से जोड़कर भी देखा जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में नगरवासियों ने नगर पंचायत कार्यालय का घेराव किया था। इस दौरान कार्यालय परिसर में घुसकर तोड़फोड़ की घटना भी सामने आई थी।

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि आंदोलन के दौरान पुलिस की ओर से पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई थी। न तो बेरिकेडिंग की गई थी और न ही प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल एवं अन्य पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इसी कारण प्रदर्शनकारी नगर पंचायत कार्यालय तक पहुंच गए और वहां तोड़फोड़ की घटना हुई। हालांकि, पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी तबादला आदेश में स्थानांतरण का कारण प्रशासनिक आधार बताया गया है। आदेश में कहीं भी ▶▶|शेष पेज 12 पर

HCC Hearing Care Center IS NOW हिअरज़ॅप®

49 Years of Trust | 180+ Experience Centres Pan India

निःशुल्क बहरापन जांच एवं परामर्श शिविर

दिनांक: 7 जुलाई से 11 जुलाई

समय: मंगलवार से शनिवार

(प्रातः 11:00 बजे से शाम 7:30 बजे तक)

▶ श्रवण यंत्र पर भारी छूट

▶ कॉक्लियर इम्प्लांट (परामर्श)

▶ स्पीच थेरेपी

PHILIPS Authorized dealer

8319 603 298 | 9659 455 455

Exclusive Brands | Google Rating

शंकर नगर: प्रथम तल, एस. आर. प्लाजा सेक्टर-3, आरोग्य हॉस्पिटल के पास, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़ (492004)

कचहरी चौक: शॉप नंबर- 14, कृष्णा काम्प्लेक्स, जिला एवं सत्र न्यायालय के सामने, कचहरी चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़ (492001)

फव्वारा चौक: विमला सदन, छत्तीसगढ़ कॉलेज के पास, फव्वारा चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़ (492007)

Google Play | App Store

छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र | कर्नाटक | केरळ | तामिळनाडू | आंध्र प्रदेश | तेलंगाणा | पश्चिम बंगाल | बिहार | झारखंड

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई

BHILAI | DHANORA

• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)

• FITTER 2 Year (10th Pass)

• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)

Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)

भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र–छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट

REGISTRATION OPEN

कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)

89595-93949 • 89595-44444

अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)

89595-93934 • 89595-44444

खबर संक्षेप

सहकारी समिति लोहरसी में पौधारोपण

सुरसाबांधा। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई तक देशभर में सहकारी सप्ताह का आयोजन किया गया। इसी क्रम में सहकारी सप्ताह के अंतिम दिवस सोमवार को ग्रामीण सेवा सहकारी समिति मर्यादित लोहरसी, पंजीयन क्रमांक 461 के समिति प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के प्राधिकृत अध्यक्ष धनीराम साहू द्वारा पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। सहकारिता का उद्देश्य केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक एवं पर्यावरणीय दायित्वों का निर्वहन भी इसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में भगवताचार्य पंडित पुष्कर प्रसाद तिवारी, पंडित लक्ष्मीनारायण तिवारी, दयालु रावत, अमित साहू, कामता साहू एवं रोहित निर्मलकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। समिति के कर्मचारियों संतोष साहू, रिपुसूदन निर्मलकर, युगलकिशोर पटेल, चंद्रशेखर साहू तथा मोहनलाल ढीढी ने भी वृक्षारोपण में सक्रिय सहभागिता निभाई। उपस्थित सभी जनों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर के निर्माण तथा रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

सर्व समाज महासंघ ने मुख्यमंत्री से मांगा मिलने का समय

छुरा। छत्तीसगढ़िया सर्व समाज महासंघ की एक महत्वपूर्ण प्रांतीय बैठक राजधानी रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर स्थित गुरुघासीदास सांस्कृतिक भवन में संपन्न हुई।

बैठक में प्रदेश के विभिन्न 40 समाजों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़िया भावनाओं, सामाजिक दुख-दर्द और धरातल से जुड़े विभिन्न नीतिगत मुद्दों को लेकर महासंघ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय विष्णुदेव साय से भेंट मुलाकात के लिए औपचारिक रूप से समय मांगा है। महासंघ को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री अति शीघ्र प्रतिनिधिमंडल को चर्चा का अवसर प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री से भेंट और जांच के लिए अधिकृत कमेटी में सर्व समाज महासंघ के अध्यक्ष रमेश यदु, युवराज सिन्हा, अकबर राम कोर्राम, गोपाल साहू, रूद्र सेन, शिव सारथी, माधव देव दास, संतोष आडिल, पूहुपराम यदु, राजा निर्मलकर, लखन लाल कोशले, बोधीराम निषाद, दिनेश चंद्राकर, ललित कुण्डक, भगत राम सोनी, मुकेश राकेश, हरिचरण प्रधान, एल. एन. महतो, कृष्णा रायकर, चेतन सोनकर, प्रहलाद सेन, नरेश रजवाड़े, प्रेम पटेल, मनोज यादव, धनीराम विश्वकर्मा शामिल हैं।

जिले में दो दिनों से झमाझम बारिश, सरगी नाला उफान पर; धमतरी मार्ग टूटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

जिले में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही झमाझम बारिश ने जहां किसानों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है, वहीं कई ग्रामीण और शहरी इलाकों में जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। बारिश से खेत-खलिहान, तालाब, पोखर और छोटे-बड़े नाले लबालब भर गए हैं। खरीफ सीजन की बुवाई के लिए यह बारिश किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं मानी जा रही है। लगातार बारिश के कारण सरगी नाला उफान पर है। वहीं कोपरा-डूमरपाली एनिकेट के ऊपर से पानी बहने लगा है, जिससे इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। इसके चलते गरियाबंद और धमतरी जिले का संपर्क इस रास्ते से टूट गया है। लोग अब वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेकर आवागमन कर रहे हैं। हालांकि, इस बारिश के बीच एक अहम तथ्य यह भी सामने आया है कि जिले का प्रमुख सीकासार जलाशय अभी भी अपेक्षित रूप से नहीं भर पाया है। जानकारी के अनुसार जलाशय के कैचमेंट क्षेत्र में अपेक्षाकृत कम बारिश होने से जलभराव की स्थिति कमजोर बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश हुई, लेकिन शिखासर बांध क्षेत्र में अब भी पर्याप्त वर्षा नहीं होने से जलाशय खाली नजर आ रहा है। बारिश से किसानों को धान की बुवाई और रोपाई के लिए अनुकूल माहौल मिला है। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों ने राहत की सांस ली है और खेतों में कृषि कार्य तेज हो गया है। हालांकि, जिन क्षेत्रों में अत्यधिक जलभराव हो गया है, वहां खेतों में पानी भरने से रोपाई और अन्य कृषि कार्यों में परेशानी भी आ रही है। कई किसानों को पानी उतरने का इंतजार करना पड़ रहा है।

खेत-खलिहान लबालब, कई मार्ग बंद, सीकासार जलाशय अब भी खाली

जोखिम वाले रास्तों पर मुस्तैद है गरियाबंद पुलिस

दूसरी ओर, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल निकासी की व्यवस्था की पोल भी खुल गई है। कई स्थानों पर सड़कें जलमग्न हैं और बारिश का पानी घरों तक पहुंच गया है। घरों में पानी घुसने से लोगों की रातें चिंता और दहशत में गुजर रही हैं। नागरिकों का कहना है कि नगर एवं ग्राम प्रशासन जल निकासी की स्थायी व्यवस्था करने में अब तक सफल नहीं हो पाया है। बारिश के बाद हालात संभालने के बजाय केवल आश्वासन मिल रहे हैं। इधर, बाढ़ प्रभावित इलाकों में गरियाबंद पुलिस पूरी मुस्तैदी से डटी हुई है। पुलिस जवान जोखिम वाले स्थानों पर तैनात रहकर लोगों को उफनते नालों और पुल-पुलियों को पार नहीं करने की समझाइश दे रहे हैं। पुलिस अधीक्षक स्वयं लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और लोगों से अनावश्यक रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नहीं जाने की अपील कर रहे हैं। प्रशासन भी संवेदनशील स्थानों पर लोगों की आवाजाही रोककर किसी भी संभावित दुर्घटना से बचाव के प्रयास में जुटा हुआ है। फिलहाल जिले में बारिश का दौर जारी है। एक ओर यह वर्षा किसानों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है, तो दूसरी ओर बाढ़, जलभराव और बाधित आवागमन ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ऐसे में लोगों को प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करने और सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

जयंती : भाजपा जिला कार्यालय में मनाई गई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती

सिद्धांतों से समझौता न करने वाले राष्ट्रभक्त थे डॉ. मुखर्जी: चंदूलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं देश की अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात उनके जीवन, व्यक्तित्व, राष्ट्र के प्रति समर्पण तथा भारतीय राजनीति में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तृत विचार गोष्ठी आयोजित की गई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि वे राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक चेतना के सशक्त प्रहरी थे। उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया और राष्ट्रीय हित को सदैव सर्वोपरि रखा। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन आज भी प्रत्येक राष्ट्रभक्त के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग और संघर्ष का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका प्रसिद्ध संकल्प एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे आज भी राष्ट्रीय एकता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह उनके विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए और राष्ट्रहित को सर्वोच्च मानते हुए कार्य करे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक नींव हैं। उनका जीवन देशभक्ति, संगठन, सेवा और समर्पण का अनुपम उदाहरण है।

उनका जीवन राष्ट्रसेवा का अनुपम उदाहरण

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत के निर्माण, राष्ट्रीय स्वाभिमान की रक्षा तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, दृढ़ इच्छाशक्ति और सिद्धांतों के प्रति अटूट निष्ठा का प्रेरक उदाहरण है। उनके विचार आज भी करोड़ों देशवासियों तथा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणापुंज बने हुए हैं। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री डॉ. आशीष शर्मा एव आभार मंडल अध्यक्ष खोमन चंद्राकर ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, उपाध्यक्ष प्रीतम सिन्हा, बलदेव सिंह हुंदल, अनूप भोंसले, कोषाध्यक्ष अजय रोहरा, मंत्री सुरेंद्र सोनटेके, पारस ठाकुर, शिवांगी चतुर्वेदी, सुमित पारख, धनराज विश्वकर्मा, रिकेश साहू, अमित वखारिया, शोभाचंद पात्र, प्रहलाद सिंह ठाकुर, फारूक चौधरी, मिलेश्वरी साहू, सरला उइके, लेखराज धुर्वा, थान सिंह निषाद, भवानी शंकर, रेणुका साहू, कांति सोनकर,अजय पटेल, वेश राठौर, नमन सेन, परमेश्वर सेन, बादल साहू, सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेड अलर्ट में बरतें सतर्कता, उफनते नदी-नालों से रहें दूर : विधायक रोहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

जिले में विगत दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश एवं मौसम विभाग द्वारा जारी रेड अलर्ट को देखते हुए राजिम विधायक रोहित साहू ने जिलेवासियों से विशेष सतर्कता बरतने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। लगातार हो रही वर्षा के कारण जिले के कई नदी-नाले उफान पर हैं तथा अनेक स्थानों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी जान-माल की हानि का कारण बन सकती है। विधायक रोहित साहू ने बताया कि उन्होंने दूरभाष के माध्यम से गरियाबंद कलेक्टर से चर्चा कर जिले में भारी वर्षा की स्थिति, बाढ़ प्रभावित गांवों, राहत एवं बचाव की तैयारियों तथा आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिले के सभी विद्यालयों के संबंध में आवश्यक निर्णय लेने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में आमजन अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलने से बचें। विशेषकर नदी-नालों, पुल-पुलियों, डूबान क्षेत्रों एवं जलभराव वाले स्थानों से पूरी तरह दूरी बनाए रखें। किसी भी स्थिति में उफनते नदी-नालों या पुल-पुलियों को पार करने का प्रयास न करें, क्योंकि तेज बहाव के कारण गंभीर दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने अभिभावकों से भी अपने बच्चों पर विशेष ध्यान रखने तथा उन्हें जलभराव वाले क्षेत्रों और नदी-नालों के आसपास जाने से रोकने की अपील की। विधायक रोहित साहू ने कहा कि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर पेड़ गिरने एवं विद्युत तार क्षतिग्रस्त होने से विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विषम परिस्थितियों में लगातार विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बारिश के बीच भी कर्मचारी पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ मरम्मत कार्य में जुटे हुए हैं।

युवक की संदिग्ध मौत पर बवाल बहन ने लगाया हत्या का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर के ठाकुरदेव पारा निवासी एक युवक आकाश कश्यप पिता चुम्मनलाल कश्यप उम्र 28 वर्ष की 01 जुलाई को ईलाज के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत को उसके बहन आकांक्षा कश्यप द्वारा हत्या बताते हुए मामले की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग को लेकर जहां एक ओर गरियाबंद पहुंच पुलिस अधीक्षक से फरियाद लगाई है तो वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री हेल्पाईन नंबर 1076 में फोन लगाकर शिकायत दर्ज कराते हुए मृतक भाई को न्याय दिलाने की मांग किया है। ज्ञात हो कि मैनपुर थाना क्षेत्र के युवक आकाश कश्यप की संदेहास्पद मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। मृतक की बहन आकांक्षा कश्यप ने पुलिस अधीक्षक गरियाबंद को विस्तृत आवेदन सौंपकर आरोप लगाया है कि थाना मैनपुर ने संज्ञेय अपराध की सूचना देने के बावजूद अब तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की। उन्होंने मामले की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराने, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 173(4) के तहत तत्काल अपराध पंजीबद्ध करने और वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

पोस्टमार्डम रिर्पोट के बाद होगी कार्रवाई : थाना प्रभारी- मैनपुर थाना प्रभारी सिध्देश्वर प्रताप सिंह ने इस संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि युवक के मौत के कई कारण हो सकते है, पुलिस पोस्टमार्डम रिर्पोट का इंतजार कर रही है, पोस्टमार्डम रिर्पोट आने के बाद इस मामले में कार्यवाही किया जायेगा। उनके परिजनों के द्वारा आवेदन देकर मौत पर संदेह जाहिर किया गया है पुलिस हर मामले में जांच कर रही है।

स्कूल में पौधारोपण

नवापारा-राजिम। ताराचंद बोथरा स्मृति विद्यालय में प्राचार्य हरप्रीत कौर मैम की मौजूदगी में छात्र-छात्राओं ने पौधा-रोपण के महत्व को समझते हुए पौधा रोपण किया। प्राचार्य मैम ने इस अवसर पर पौधा रोपण के महत्व को बतलाते हुए बच्चों को अधिक से अधिक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया।

पेज 11 के शेष...

बाढ़ के हालात...

में आकर आवागमन के लायक नहीं बचे हैं। कहीं सड़क धंस गई, कहीं पुलिया के ऊपर पानी बहने लगा, तो कहीं कीचड़ और बहाव ने रास्ते को पूरी तरह निगल लिया। नतीजा यह हुआ कि कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों और बाजारों से टूट गया। मरीजों, स्कूली बच्चों, किसानों और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए निकलने वाले ग्रामीणों के सामने भारी संकट खड़ा हो गया है। लोगों का कहना है कि बारिश हर साल होती है, लेकिन हर बार प्रशासन तैयारी के नाम पर केवल कागजी दावे करता है और जब आपदा सामने आती है, तब आम जनता को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है।

मासूमों की मौत से फूटा आक्रोश: यह आपदा नहीं, लापरवाही है- सबसे दुखद और झकझोर देने वाली घटना कोपरा नगर में दो मासूम बच्चों की मौत की रही। बारिश के बीच हुई इस दर्दनाक घटना ने पूरे नगर को गहरे सदमे में डाल दिया है। जिस घर में कुछ देर पहले तक बच्चों की किलकारियां गूंज रही थीं, वहां अब चीख-पुकार और मातम पसरा हुआ है। इस हृदयविदारक घटना ने न केवल क्षेत्रवासियों को भीतर तक झकझोर दिया है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि आखिर बारिश के मौसम में सुरक्षा, सतर्कता और राहत व्यवस्था को लेकर जिम्मेदार तंत्र कितना सजग है। स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है और वे इसे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि लापरवाही और बदइंतजामी का भी परिणाम मान रहे हैं।

नगर व गांवो के कोने-कोने में जलभराव ने लोगों की जिंदगी को कैद कर दिया है। मोहल्लों में गंदा पानी भरा है, गलियों से निकलना मुश्किल है, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा चिंता का विषय बनी हुई है। दूसरी ओर, लगातार पानी भरने से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। कई परिवारों के सामने भोजन, पेयजल, दवा और सुरक्षित ठिकाने तक की समस्या खड़ी हो गई है। ऐसे में लोगों का आक्रोश इस बात को लेकर भी है कि जब बारिश का दौर पहले से अनुमानित था, तो नालों की सफाई, कमजोर सड़कों की मरम्मत और निचले इलाकों में जलनिकासी की वैकल्पिक व्यवस्था समय रहते क्यों नहीं की गई।

सरपंच संघ की ...

विकास कार्यों में आ रही समस्याओं, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता, प्रशासनिक एवं तकनीकी कठिनाइयों, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामों में खेल मैदानों के विकास, पंचायतों को अधिक अधिकार एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त पंचायत प्रतिनिधियों की समस्याओं एवं विकास संबंधी मांगों को लेकर विधायक एवं जनपद अध्यक्ष को सरपंच संघ की ओर से ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। कहा कि यह बैठक ग्राम पंचायतों के समग्र विकास, सरपंचों की समस्याओं के समाधान तथा शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

चरण दास महंत...

सहित महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, किसान कांग्रेस, अल्पसंख्यक विभाग, अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग, पिछड़ा वर्ग विभाग, झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ, बूथ, सेक्टर एवं जोन अध्यक्षों सहित सभी मोर्चा-प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कांग्रेसजनों से कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से शामिल होने की अपील की है। कांग्रेस भवन में आयोजित इस बैठक को संगठन की आगामी रणनीति और कार्यकर्ताओं से संवाद के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पुलिस महकमे में...

कोपरा की घटना का उल्लेख नहीं किया गया है। ऐसे में यह कहना कि तबादला सीधे उसी घटना के कारण किया गया, आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। फिर भी स्थानीय स्तर पर इस घटनाक्रम और तबादले को लेकर विभिन्न तरह की चर्चाएं जारी हैं। गौरतलब है कि जारी आदेश के तहत निरीक्षक कृष्णा प्रसाद जांगड़े को रक्षित केंद्र भेजा गया है, जबकि उप निरीक्षक चिन्ताराम देशमुख को थाना प्रभारी पांडुका, उप निरीक्षक जयप्रकाश नेताम को थाना प्रभारी फिंगेश्वर तथा सहायक उप निरीक्षक मनीष वर्मा को रक्षित केंद्र से थाना पांडुका पदस्थ किया गया है। सभी अधिकारियों को तत्काल नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

खबर संक्षेप

कुलेश्वर महादेव दरबार में उमड़े श्रद्धालु

राजिम। मानसून की प्रथम वर्षा होने पर भोलेनाथ के दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन पहुंच रहे है। पूर्व जनपद सदस्य दीपक साहू एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि सोहन साहू, श्री कुलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने क्षेत्र की सुख-समृद्धि, उत्तम वर्षा, किसानों की समृद्धि तथा सभी नागरिकों के सुख, शांति एवं खुशहाली की कामना करते हुए भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, त्रिवेणी संगम के तट पर स्थित कुलेश्वर महादेव मंदिर अत्यंत प्राचीन और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र है। लोकमान्यता है कि वनवास काल के दौरान माता सीता ने यहां अपने हाथों से रेत का शिवलिंग बनाकर भगवान शिव की आराधना की थी। इसी कारण यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र माना जाता है और वर्षभर बड़ी संख्या में भक्त यहां दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। पूजा के दौरान दीपक साहू एवं सोहनलाल साहू ने भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की कि इस वर्ष समय पर और पर्याप्त वर्षा हो, जिससे किसान धान की बोआई सुचारु रूप से कर सकें तथा उनकी मेहनत सफल हो।

नेशन्स प्राइड पब्लिक स्कूल में मनाया गया प्रवेश उत्सव

छुरा। नेशन्स प्राइड पब्लिक स्कूल में आज शाला प्रवेश उत्सव धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नन्हे विद्यार्थियों का शाला में आत्मीय स्वागत कर उन्हें नवीन पाठ्यपुस्तकें एवं स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाला संरक्षक केआर सिन्हा एवं शाला संचालक ललित कुमार साहू रहे। विशेष रूप से पालक समिति के अध्यक्ष टेमन लाल साहू, उपाध्यक्ष यामिनी सिन्हा, गंगा ओगरे एवं साजिता बेगम की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्राचार्य संतोष कुमार निषाद ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। शाला में आकर वे न केवल पढ़ेंगे, बल्कि संस्कार भी सीखेंगे। इस अवसर पर समस्त शिक्षकगण एवं स्टाफ सदस्य अर्चना साहू, चितरंजनी निषाद, राजकुमारी ठाकुर, मंजुलता साहू, हसीं साहू, जया यादव, राजेश्वरी सिन्हा, काजल राजपूत, मोनिका साहू, यूनिश भरतद्वाज, कृष्णेश कुमार यादव* सहित आया एवं ड्राइवर बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिक्षकों ने बच्चों का तिलक लगाकर, मिष्ठान वितरित कर एवं किताबें देकर शाला में प्रवेश कराया। शाला प्रांगण को रंगीन गुब्बारों एवं फूलों से सजाया गया था।

अनदेखी : राज्य निर्माण के 26 वर्षों बाद भी हीरा खदान मामले पर नहीं की कोई ठोस पहल

हीरा खदान पायलीखण्ड और बेहराडीह की सुरक्षा भगवान भरोसे, एक चौकीदार तक नहीं है तैनात

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मैनपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश के गरियाबंद जिला अंतर्गत विकासखंड मैनपुर के पायलीखंड एवं बेहराडीह के हीरा (डायमंड) खदानों का पता प्रशासन को लगभग 37-38 वर्ष पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के पहले अविभाजित मध्यप्रदेश राज्य के जमाने मे लगा था तब से लेकर आज तक इलाके मे हीरा तस्करी का लम्बे समय से व्यापार का सिलसिला जारी रहा है और अभी भी लगातार हीरा तस्करी के मामले सामने आते रहते है, जब हीरा खदान का पता चला तब हीरा खदानो के मामले को संज्ञान लेते हुए मध्यप्रदेश के तत्कालिन मुख्यमंत्री दिग्वीजय सिंह के निर्देश पर पायलीखण्ड एवं बेहराडीह जंगल पर हीरा मिलने वाले एक निश्चित बड़े हिस्से को तार के बाड़ो से घेर कर सुरक्षित किए किया गया था पायलीखंड के हीरा खदानो की सुरक्षा के लिए बी.एस.एफ की कंपनी तैनात किया गया था और खनिज विभाग ने बकायदा चौकीदार नियुक्त किया था मगर इसकी सुरक्षा पिछले कुछ वर्षो से भगवान भरोसे है, मिली जानकारी के अनुसार यह पुरा ईलाका घोर नक्सली प्रभावित रहा है क्षेत्र में वर्ष 2006–07 मे नक्सलियो के दबाव बढने के बीच जहां पायलीखंड हीरा खदान से बी.एस.एफ. कंपनियो को खदान की सुरक्षा से वापिस बुला लिया गया तो वही बेहराडीह हीरा खदान की सुरक्षा से वन विभाग ने हाथ खड़ा कर दिया तब से लेकर आज तक हीरा खदान की सुरक्षा पूरी तरह से भगवान के भरोसे है यहां उड़ीसा, महाराष्ट्र, आंध्र सीमावतएँ राजस्थान राज्य के व्यापारियो द्वारा आकर इस क्षेत्र से हीरा तस्करी कर ले जाने की खबर समय –समय पर आती रहती है और इसकी पुष्टि स्वयं विभाग कर रही है पिछले 16-17 वर्षो में गरियाबंद जिले के पुलिस ने क्षेत्र से हीरा की अवैध तस्करी के सैकड़ों मामले दर्ज किये है करोड़ो की हीरा के साथ तस्करो को पकड़ने में पुलिस ने सफलता प्राप्त किया है।

अवैध उत्खनन के चलते चारो तरफ सिर्फ गड्ढे ही गड्ढे– बताया जाता है तहसील मुख्यालय मैनपुर से लगभग 42 किमी दूर विश्व के प्रसिध्द हीरा खदान पायलीखण्ड एवं मैनपुर से 8 किमी दूर बेहराडीह हीरा खदान का मामला न्यायालय मे होने के कारण छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25–26 वर्षो बाद भी सरकारी दोहन शुरू नही हो पाया है समय समय पर इन हीरा खदानो मे अवैध खुदाई की खबर निकलकर सामने आती है खासकर बारिश के दिनो मे इन दोनो हीरा खदानो मे नदी नालो मे बाढ का फायदा उठाकर ओड़िसा महाराष्ट्र और राजस्थान के तस्करो द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन को अंजाम दिया जाता है जिसका प्रमाण हीरा खदान क्षेत्र मे देखा जा सकता है हीरा खदान क्षेत्रे में तस्करों के द्वारा पूर्व में इस बेददएँ के साथ अवैध खुदाई किया गया है कि जगह जगह 10 से 20 फीट गहरे कुएं जैसे सैकड़ो गड्ढे हो गये है और तो और हीरा खदान की सुरक्षा के लिए निर्माण किये गये वर्षो पूर्व चौकीयों को भी हीरा के तलबगारो ने चारो तरफ से खोद डाला है।

आस्टेलिया के वैज्ञानिको ने एक दर्जन किम्बर लाईट पाईप होने की किया था पुष्टि– ढाई दशक पूर्व आस्ट्रेलिया से पहुंचे वैज्ञानिको ने इन हीरा खदानो में एक दर्जन से ज्यादा किम्बर लाईट पाईप होने की बात सर्वेक्षण के बाद बताई गई थी वैज्ञानिको के अनुसार किम्बर लाईट पाईप कई किमी लंबी होती है और इन पाईप में हीरा चिपका होता है आस्ट्रेलिया के बाद सबसे ज्यादा बहुमुल्य किमती रत्न होने का दावा पायलीखण्ड और बेहराडीह हीरा खदान मे किया गया था।

हीरा खदान कानूनी विवाद पर जल्द सरकार लेगी फैसला– सुत्रे से मिली जानकारी के अनुसार हीरा खदानो से बेशकीमती हीरो का सरकारी दोहन का सपना अब जल्द पुरा होने वाला है राज्य सरकार ने लगभग 23 वर्षो से अदालती कार्यवाही में फसी इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए ठोस कानूनी पहल शुरू कर दी है सुत्र बताते है कि सरकार इस मामले में रूची ले रहे है और छत्तीसगढ हाईकोर्ट मे अर्जेअट हियरिंग के लिए याचिका दायर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, गरियाबद जिले में हीरो के अकुत भंडार के पृष्टि हुए करीब 37-38 साल हो चुके है लेकिन कानूनी विवादों में इसे वर्षो से थाम रखा गया है।

हीरा खदानों में लगाए सुरक्षा तार के बाड़े और लोहे के गेट तक गायब

बेहराडीह एवं पायलीखण्ड हीरा खदान क्षेत्र में एक बड़े भू-भाग को जहां हीरा खदान के रूप में चिन्हांकित है उन स्थानो को बड़े –बड़े लोहे के हजारो एंगल लगाकर लगभग दोनो खदानो में 20 से 25 हेक्टेयर जमीन को चारो तरफ से घेरा गया था और सामने लोहे गेट लगाए गए थे पर अवैध तस्करी करने वालो ने लोहे के पूरे एंगल के साथ गेट को भी उखाड़कर ले गये है और खदान क्षेत्र में सिर्फ गड्ढे ही नजर आते है। उल्लेखनीय है हीरा खदान ईलाका घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता था जिसके कारण जंहा एक ओर पायलीखंण्ड हीरा खदान सुरक्षा चौकी को भी नक्सलियो ने बम से उड़ा दिया था और यहा सुरक्षा के लिए तैनात किये गये बी.एस.एफ के जवानों को वापस बुला लिया गया तो वही पायलीखण्ड हीरा खदान क्षेत्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी वन विभाग ने वापस ले लिया और हीरा के अवैध उत्खन्न करने वालो ने बेहराडीह हीरा खदान के चौकी तक को बुरी तरह चारो तरफ से खोद डाला। अब मार्च 2026 में छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त घोशित होने के बाद हीरा खदान के सरकारी दोहन से जंहा एक ओर इस क्षेत्र के बेरोजगार युवको को रोजगार मिलेगी वही दुसरी ओर मैनपुर देवभोग सहित गरियाबंद जिले की तकदीर और तश्वीर संवरेगी।

मामला न्यायालय के अधीन

बिन्द्रानवागढ विधायक जनक ध्रुव ने हीरा खदान मामले में चर्चा करते हुए कहा कि यह मामला वर्तमान में न्यायालय के अधीन है, लेकिन जब भी इसका सरकारी तौर पर उत्खन्न किया जाए तो सबसे पहले इससे मिलने वाली आय और राजस्व से मैनपुर देवभोग गरियाबंद जिले का विकास होना चाहिए हीरा खदान क्षेत्र होने के बावजूद गरियाबंद जिले के लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे है। जिला पंचायत गरियाबंद के सदस्य लोकेश्वरी नेताम ने कहा कि हीरा खदान होने के बावजूद मैनपुर देवभोग क्षेत्र के लोग पेयजल,स्वास्थ्य, बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे है जब भी हीरा खदान का सरकारी उत्खन्न होगा पहले से शासन प्रशासन को यह तय करना होगा कि 85 प्रतिशत राशि इस क्षेत्र के विकास में खर्च किया जाए।

संस्कृत शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक रोहित साहू से मुलाकात की

हरिभूमि न्यूज ▸▸| राजिम

छत्तीसगढ़ संस्कृत शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में संस्कृत विषय की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए राजिम विधायक रोहित साहू से मुलाकात कर छंठवी से दसवीं तक अनिवार्य विषय के रूप में रखने के लिए शीघ्र आदेश जारी करवाने के लिए अनुरोध किया। इस अवसर पर विधायक रोहित साहू ने सकारात्मक पहल करते हुए कहा कि संस्कृत देववाणी और संस्कार परक भाषा है अतः संस्कृत भाषा का संरक्षण और संवर्धन परम आवश्यक है। कहा कि संस्कृत विषय की अनिवार्यता के लिए वे शिक्षा मंत्री से मिलकर आवश्यक रूप से चर्चा करेंगे। संस्कृत विषय बचाओ अभियान के तहत छत्तीसगढ़ प्रदेश संस्कृत शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष दौलत साहू, डॉ. नारायण साहू प्रदेश संचालक पूरन साहू, दुर्गेश साहू, ईश्वरी यादव ने छत्तीसगढ़ में संस्कृत विषय की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि माध्यमिक शिक्षा मंडल के पाठ्यक्रम से कक्षा छठवीं से लेकर कक्षा दसवीं तक के सचिवालय स्तर पर षड्यंत्र पूर्वक हटाया जा रहा है। संस्कृत को पूर्व की भांति हरियाणा राज्य के तर्ज पर अनिवार्य विषय करने और संस्कृत विषय के विकल्प के रूप में नवीन व्यावसायिक शिक्षा लागू किया गया है उसे सातवें विषय के रूप में स्थान देने के लिए मांग पत्र राजिम विधायक रोहित साहू को सौंपा गया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्कृत की अनिवार्यता को लेकर अब तक विभाग के उच्च अफसरो स्कूल शिक्षा मंत्री, सांसद बृजमोहन अग्रवाल,जिला कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी मांग पत्र सौंपा जा चुका है। वहीं अपने देश, प्रदेश में पाठ्यक्रम से हटाने के लिए षड्यंत्र चल रहा है जो गंभीर चिंतन का विषय है। इस संदर्भ में संस्कृत सम्मेलन के दौरान 7 सितंबर 2025 को मठपुरैना में आयोजित विराट संस्कृत विद्वत सम्मेलन में उपस्थित मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह को भी मांग पत्र सौंपा जा चुका है।

खबर संक्षेप

धुमा स्कूल में मनाया गया प्रवेशोत्सव

सुरसाबांधा। ग्राम धुमा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव एवं एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया तथा उन्हें निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विद्यालय परिसर में 200 पौधों का रोपण किया गया। सभी जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने पौधों की देखभाल एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष चितरंजन साहू, सरपंच सुलोचना वामन निर्मलकर, धान बाई साहू, विरेन्द्र वर्मा, हरिधर वर्मा, पिंकी साहू, विद्यालय की प्राचार्य वर्षा नेताम, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालक समिति के सदस्य, समस्त पंचगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण माताएं-बहनें उपस्थित रहीं। अतिथियों ने विद्यार्थियों को नियमित विद्यालय आने, शिक्षा के महत्व को समझने तथा अनुशासन के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।

स्वास्थ्य शिविर में 29 का अयुष्मान कार्ड बनाया

अभनपुर। सेक्टर खोरपा अंतर्गत ग्राम परसुलिडीह में एनपी-एनसीडी कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्वस्थ जीवनशैली अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों के रक्तचाप (बीपी), ब्लड शुगर, नेत्र परीक्षण एवं ओरल कैंसर की जांच की गई। सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। साथ ही 29 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदना कार्ड भी बनाए गए। जांच के दौरान 8 मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान की गई, जिन्हें आगे के उपचार के लिए चिन्हित किया गया। वहीं एक 10 वर्षीय स्कूली छात्रा की एक आंख में सफेद मोतियाबिंद (व्हाइट कैटरैक्ट) के लक्षण पाए गए। शिविर में नेत्र सहायक अधिकारी रोशन लाल साहू , ग्रामीण चिकित्सा अधिकारी डी.एस. नेताम, ठाकुर राम सोनवानी, योगिता साहू, अनूप साहू, हेमंत चतुर्वेदानी, संतोषी सिन्हा, बिसन बंजारे, रुखमणी साहू सहित स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित रहा।

लापरवाही : शाला प्रबंधन समिति ने बीईओ को सौंपा ज्ञापन, एडीबी और पीडब्ल्यूडी की लापरवाही से जाम है मुख्य नाली

भारी बारिश से पीएमश्री स्कूल में भरा नाली का पानी, रसोइयों ने खाना बनाने से किया इंकार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नवापारा-राजिम

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएमश्री योजना के तहत संचालित शासकीय प्राथमिक शाला सोमवारी बाजार नवापारा की बदहाली ने योजना के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण स्कूल परिसर जलमग्न हो गया है। आसपास के घरों और मोहल्लों का गंदा पानी सीधे स्कूल परिसर में भर रहा है। हालात ऐसे हैं कि बच्चों को गंदगी और बदबू के बीच पढ़ाई करनी पड़ रही है, जबकि स्कूल के रसोईघर में बारिश का पानी और कीड़े-मकोड़े पहुंचने से मध्यान्ह भोजन बनाना भी मुश्किल हो गया है। आखिरकार रसोइयों ने अस्वच्छ परिस्थितियों में भोजन बनाने से इन्कार कर रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शाला प्रबंधन एवं विकास समिति ने आपात बैठक कर विकासखंड शिक्षा अधिकारी बीईओ अभनपुर को ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। समिति ने साफ शब्दों में कहा है कि यदि समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। स्थानीय लोगों के अनुसार स्कूल के आसपास बनी नालियों का पानी सीधे विद्यालय परिसर में आकर भर जाता है। लगातार बारिश के बाद स्थिति और भी भयावह हो गई है। पूरा परिसर कीचड़ और गंदे पानी से लबालब है। बच्चे रोज इसी पानी से होकर कक्षाओं तक पहुंचते हैं। परिसर में फैली बदबू और गंदगी के कारण संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। शाला प्रबंधन समिति का आरोप है कि यह समस्या नई नहीं है। जलभराव और नाली निर्माण की मांग को लेकर पहले भी कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। बार-बार आवेदन और शिकायत के बावजूद आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

बंद नाली खुलवाने और स्थायी समाधान की मांग

सोमवार को हुई शाला प्रबंधन एवं विकास समिति की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समस्या के समाधान तक मध्यान्ह भोजन बंद रखा जाएगा और आवश्यक होने पर स्कूल संचालन भी प्रभावित हो सकता है। इसके बाद समिति ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी अभनपुर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल जल निकासी की व्यवस्था, बंद नाली खुलवाने और स्थायी समाधान की मांग की। समिति ने बताया कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं होता, आगे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद नम्मुनारायण ध्रुव एवं वार्ड क्रमांक 16 की सभापति निर्मला-धीरज साहू ने बताया कि स्कूल में हर वर्ष जलभराव की समस्या मुख्य नाली के जाम होने के कारण उत्पन्न होती है। नगर पालिका द्वारा पूर्व में कई बार नाली की सफाई कराई गई, परंतु स्थिति में सुधार होने के बाद नाली फिर जाम हो जाता है। बताया कि जिस स्थान पर नाली गुजरती है, वह नवापारा-मगरलोड मुख्य मार्ग है, जिसका निर्माण एडीबी परियोजना के तहत लोक निर्माण विभाग ने कराया है। सड़क निर्माण के दौरान नाली पर छोटा पाइप लगाया गया, जिससे पानी की निकासी बाधित हो गई और बारिश के समय पूरा पानी स्कूल परिसर में भर जाता है। पार्षदों का कहना है कि इस समस्या को लेकर पहले भी एडीबी के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया। इस छोटे पाइप को हटाकर बड़े पाइप लगाने की मांग की गई, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि इस समस्या का समाधान सड़क पर बड़ा पाइप लगाने से ही संभव है। चूंकि संबंधित सड़क पीडब्ल्यूडी के अधीन है, इसलिए यह कार्य केवल एडीबी-पीडब्ल्यूडी विभाग ही कर सकता है।

सफाई कराई जाएगी

लोक निर्माण विभाग के सुपरवाइजर वासुदेव ने बताया कि विद्यालय परिसर में जलभराव और नाली जाम होने की शिकायत मिली है। समस्या के समाधान के लिए जल्द ही जेटिंग मशीन से नाली की सफाई कराई जाएगी ताकि स्कूल परिसर साफ सुथरा नजर आए।

सात सूत्रीय मांगों पर बनी सहमति कर्मचारी संघ का आंदोलन स्थगित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मुड़ागांव कोरासी

आदिम जाति कल्याण विभाग कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ (जिला शाखा गरियाबंद) द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर किए जा रहे अनिश्चितकालीन आंदोलन को प्रशासन के साथ हुए 7 सूत्रीय लिखित समझौते के बाद फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष डोमार बघेल ने बताया कि जिला पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप एवं आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने आंदोलनकारी कर्मचारियों के समक्ष उपस्थित होकर उनके सभी सात प्रमुख बिंदुओं पर अपनी सहमति प्रदान की। सभी कर्मचारियों को वर्तमान में 3 महीने का बकाया वेतन तत्काल दिया जाएगा। शेष बचे वेतन के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात कर जल्द ही आबंटन जारी कराया जाएगा और पूरा भुगतान होगा।

स्वीकृत पद के कर्मचारियों के अतिरिक्त अतिशेष कर्मचारियों को भी आवश्यकतानुसार अभी ड्यूटी पर लिया जाएगा। शेष बचे कर्मचारियों को वरिष्ठता के आधार पर जिले में जल्द संचालित होने वाले 12 नए छात्रावासों में समायोजित किया जाएगा। इसके लिए एक विशेष समिति गठित की जाएगी, जो सूची का अनुमोदन कर कार्यरत कर्मचारियों को राशि प्रदान करेगी।

संगठन ने स्पष्ट लहजे में प्रशासन को सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि यह आंदोलन सिर्फ 'रथयात्रा' तक के लिए स्थगित किया गया है। यदि रथयात्रा तक इन 7 सूत्रीय मांगों पर धरातल पर काम होता दिखाई नहीं दिया, तो कर्मचारी संघ दोबारा अल्टीमेटम देकर कलेक्टोरेट का घेराव करेगा और देवभोग से रायपुर मुख्य मार्ग को कलेक्टोरेट के पास चक्काजाम कर ब्लॉक कर देगा। यदि इस दौरान शासन-प्रशासन द्वारा कोई बाधा उत्पन्न की गई, तो सभी कर्मचारी वहीं पर आमरण अनशन और भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे।

पहली बारिश में नवापारा बस स्टैंड़ लबालब

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नवापारा-राजिम

दो दिन के पहली ही तेज बारिश ने शहर के बस स्टैंड को लबालब कर दिया। घुटनों से ऊपर तक पानी भर जाने के कारण यात्रियों, दुकानदारों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर में हुई पहली मूसलाधार बारिश ने एक तरह से बस स्टैंड को हाल बेहाल कर दिया। हालत यह रही कि मिनी बसों के पहिए तक पानी में समा गए और यात्रियों को पानी के बीच से होकर आवागमन करना पड़ा। बस स्टैंड से लगे हुए हिस्से में स्थित कई दुकान तो खुल भी नही पाए। व्यापार प्रभावित हुआ और लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ा। खास बात यह रही कि बारिश का पानी बस स्टैंड से निकलकर सड़कों पर बहने लगा। हर वर्ष बारिश के मौसम में बस स्टैंड में जलभराव की यही समस्या सामने आती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है। नगरवासियों ने मांग की है कि बस स्टैंड की जल निकासी व्यवस्था का तकनीकी परीक्षण कराकर नालियों का विस्तार, उचित ढाल और प्रभावी ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया जाए, ताकि हर बारिश में बस स्टैंड तालाब में तब्दील न हो।

तुलसी, सोंठ, दालचीनी और औषधीय जल से लग रहा भोग

महाप्रभु जगन्नाथ की औषधीय सेवा प्रारंभ, 16 को निकलेगी रथयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नवापारा-राजिम

श्री राधाकृष्ण मंदिर, में महाप्रभु भगवान जगन्नाथ अनवसर काल में विराजमान हैं। इस अवधि में भगवान के ज्वरग्रस्त होने की परंपरा के अनुसार उनकी विशेष औषधीय सेवा की जा रही है। राजवैद्य की भूमिका निभाते हुए मंदिर के पुजारी प्रतिदिन प्रातः भगवान का जागरण कर औषधीय जल से शुद्धि करते हैं तथा जड़ी-बूटियों का लेप लगाकर सेवा करते हैं। दिनभर फलाहार एवं औषधीय भोग अर्पित किया जाता है तथा सायंकाल विश्राम आरती के पश्चात भगवान को शयन कराया जाता है। अनवसर काल में श्रद्धालुओं के लिए सामान्य दर्शन बंद रहते हैं। मंदिर के सर्वरकार मोहन अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, गिरधारी अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल एवं नयन अग्रवाल ने बताया कि इस अवधि में भगवान के गर्भगृह में केवल पुजारी ही प्रवेश कर सेवा करते हैं। वहीं, रथयात्रा की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। मंदिर की रंगाई-पुताई शुरू हो चुकी है तथा पर्व के अवसर पर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। गिरधारी अग्रवाल ने बताया कि अनवसर काल भगवान के विश्राम का समय होता है। प्रतिदिन सुबह जागरण, औषधीय स्नान और जड़ी-बूटियों का लेप किया जाता है। दोपहर में फल, नारियल पानी, दलिया एवं औषधीय भोग अर्पित किया जाता है। शाम को पुनः औषधीय सेवा, आरती तथा हल्का भोग लगाकर भगवान को विश्राम कराया जाता है। उन्होंने बताया कि भगवान के लिए तुलसी पत्र, सोंठ (सूखी अदरक), काली मिर्च, पिपली, इलायची, दालचीनी, लौंग, शहद, मिश्री, चंदन तथा औषधीय जल से विशेष उपचार और भोग तैयार किया जा रहा है। वहीं, भगवान के विशेष भोग एवं काढ़ा प्रसाद की व्यवस्था के लिए पुरी से महाराज अपनी टोली के साथ नवापारा पहुंच रहे हैं।

100 वर्ष पुराना पुण्यदायी रथ 16 को खींचा जाएगा

श्री अग्रवाल ने बताया कि 16 जुलाई 2026 को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। लगभग 100 वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार रथ को रस्सियों के माध्यम से श्रद्धालु स्वयं खींचते हैं। रंग-बिरंगे फूलों से सुसज्जित रथ में भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान श्री बलभद्र एवं देवी सुभद्रा विराजमान होंगे। पूजा-अर्चना एवं आरती के पश्चात बाजे-गाजे, राउत नाचा और भक्ति-गीतों के साथ रथयात्रा श्री राधाकृष्ण मंदिर से प्रारंभ होकर सदर बाजार, नया बस स्टैंड एवं गंज रोड होते हुए पुनः मंदिर पहुंचेगी। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर रथ की रस्सी खींचते हैं, जिसे अत्यंत शुभ एवं पुण्यदायक माना जाता है। इस अवसर पर गजामूंग प्रसाद का भी व्यापक वितरण किया जाएगा। हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा सबसे प्रमुख और भव्य पर्वों में से एक मानी जाती है। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के अवसर पर भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच पधारते हैं। यह यात्रा सभी धर्म, जाति और वर्ग के लोगों के लिए समान रूप से खुली होती है और भगवान की कृपा प्राप्त करने का अनुपम अवसर मानी जाती है।